नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

# नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 064
दि. 03.07.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा


# प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम सनाए को कहा अपनी छोटी बहन, बताया विश्व पटल पर कैसे भारत-जापान गढ़ेंगे नए आयाम

**भारत जापान वार्षिक समिट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में हैं। एक स्वतंत्र, समृद्ध और नियमों पर आधारित इंडो-पैसिफिक हमारी साझा प्राथमिकता है।**

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की पीएम सनाए तकाइची ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत-जापान वार्षिक समिट में हिस्सा लिया। इसके बाद साझा प्रेस वार्ता में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों की साझेदारी को और सुदृढ़ करने का संकल्प दिया। प्रेस वार्ता की शुरूआत करते हुए पीएम मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री तकाइची को अपनी छोटी बहन कह कर संबोधित किया।

पीएम मोदी ने की जापानी प्रधानमंत्री की तारीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वो जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री भी हैं और एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता भी हैं। प्रधानमंत्री ताकाइची और मेरा विश्वास है कि टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी विजन को साकार करने के लिए, आज एआई के क्षेत्र में हमने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी किया है।

**प्रधानमंत्री ने किया जी-7 समिट का जिक्र**

पीएम मोदी ने आगे कहा कि सनाए तकाइची नारा प्रीफेक्चर से आती हैं, जो साझा बौद्ध विरासत का केंद्र है। जी-7 में मैंने कहा था कि उथल पुथल के माहौल में यह एक वैश्विक स्ट्रेटजिक एसेट है। भारत-जापान की साझेदारी इस कसौटी पर खरी उतरती है। पिछले कई दशकों में ऑटोमोटिव से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक में जापान ने भारत की ग्रोथ स्टोरी का अहम हिस्सेदार बनकर दोस्ती और विश्वास की एक अमूल्य पूंजी बनाई है। आज ताकाइची की यात्रा से हम अपनी स्पेशल स्ट्रेटजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप के नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं।

**भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाः पीएम**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों ही देशों को आर्थिक तौर पर काफी मजबूत बताते हुए आगे कहा, कि आज भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से हैं।एक स्वतंत्र, समृद्ध और नियम आधारित इंडो पैसिफिक हमारी साझा प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने तकनीकी क्षेत्र में हो रहे निवेश की चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि जापान की प्रीसिजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति और शक्ति देगा। डिफेंस के क्षेत्र में आज हमने भारत और जापान के पहले को-डेव्लेपमेंट प्रोजेक्ट पर समझौता किया है।

**हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक**

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और

जापान की निवेशक के तौर पर साझेदारी निरंतर सुदृढ हो रही है। पिछले 1 वर्ष में करीब 120 नए व्यावसायिक समझौते हुए हैं, जिनसे भारत में 10 बिलियन डॉलर से अधिक जापानी निवेश आएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की।

**डिफेंस, एआई से लेकर क्रिटिकल मिनरल्स पर बात**

दोनों नेताओं के बीच निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स, सप्लाई चेन, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय-वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन का हिस्सा है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में ताकाइची का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

**पीएम मोदी ने बैठक के बाद क्या कहा, जान लीजिए बड़ी बातें**

संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की सनाए ताकाइची को अपनी छोटी बहन बताया। उन्होंने कहा कि योर एक्सीलेंसी और मेरी छोटी बहन प्रधानमंत्री तकाइची।

इंडिया-जापान एनुअल समिट के लिए प्रधानमंत्री तकाइची का भारत में अपनी पहली यात्रा पर स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री भी हैं और एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता भी हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि इतना ही नहीं, वे जापान के नारा प्रेफेक्चर से आती हैं, जो भारत-जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक बहुत महत्वपूर्ण केंद्र है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब हम ऑटोमोटिव सेक्टर में हमारी सक्सेस स्टोरी को शिप बिल्डिंग, एविएशन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में भी दोहराएंगे। फ्रेंड्स, हमारे संबंधों की बड़ी ताकत हमारी पीपल-टू-पीपल समझौता है।

पीएम ने कहा कि हम टैलेंट मोबिलिटी, स्किलिंग और टेक्निकल इंटर्नशिप प्रोग्राम इसके अवसर भी बढ़ा रहे हैं और दोनों देशों के बीच रिसर्च, एजुकेशन और स्टार्टअप सहयोग भी सुदृढ़ कर रहे हैं।

पीएम मोदी बोले- हमें बहुत खुशी है कि अगले वर्ष हम भारत-जापान डिप्लोमैटिक रिलेशंस की 75ॅ एनिवर्सरी मनाने जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर हम कल्चर, टूरिज्म और क्रिएटिव इकोनॉमी सहयोग से आपसी कनेक्ट और प्रगाढ़ करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योर एक्सीलेंसी, भारत और जापान के इकोनॉमीज कॉम्प्लीमेंट्री हैं। सांस्कृतिक मूल्यों से लेकर आधुनिक टेक्नोलॉजी तक हमारी सोच और अप्रोच भी समानता है और सबसे बढ़कर हमारे संबंधों की नींव अटूट आपसी विश्वास पर टिकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी यह विशेष साझेदारी सशक्त और समृद्ध जापान के आपके विजन, विकसित भारत के हमारे संकल्प और विश्व की प्रगति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

पीएम मोदी बोले- एक सशक्त और समृद्ध जापान का आपका विजन, विकसित भारत का हमारा संकल्प और पूरे विश्व की प्रगति को मिलकर साकार करें। मैं फिर से एक बार आपका हृदय से बहुत-बहुत स्वागत करता हूं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अरीगातो गोजाईमास।

## खामेनेई के जनाजे पर हमला करेगा अमेरिका? ट्रंप की करीबी महिला ने दिया इशारा, क्या है मतलब?

अमेरिका की दक्षिणपंथी राजनीतिक कार्यकर्ता और डोनाल्ड ट्रंप की करीबी मानी जाने वाली लॉरा लूमर एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दुनिया भर में सनसनी मचा दी है। इस पोस्ट के बाद कोई उनकी

आलोचना कर रहा है तो कोई अलर्ट मोड पर है। लूमर ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार को लेकर ऐसा बयान दिया, जिसे कई लोगों ने बेहद अमानवीय और भड़काऊ बताया है। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियों से जुड़ी एक खबर साझा की गई।

## 'जो होना है, होकर रहेगा', एमपी मनीष तिवारी छोड़ने वाले हैं कांग्रेस? पंजाब चुनाव में राहुल गांधी की बढ़ेगी टेंशन

(जीएनएस)।

पंजाब में अगले साल यानी 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी रण को फतह करने के लिए दिल्ली में बैठे कांग्रेस आलाकमान ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में पार्टी ने 1 जुलाई को पंजाब के लिए कई नई चुनावी कमेटियों का ऐलान किया। लेकिन इस लिस्ट के सामने आते ही पंजाब से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस के गलियारों में एक नया सियासी तूफान खड़ा हो गया है।

पार्टी के सबसे सीनियर नेताओं में शुमार और चंडीगढ़ के मौजूदा लोकसभा सांसद मनीष तिवारी को इन सभी कमेटियों से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। इस फैसले से नाराज मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा पोस्ट लिखा है, जिसने उनके पार्टी छोड़ने की अटकलों को हवा दे दी है।

चुनावी कमेटियों, खासकर कैंपेन कमेटी और घोषणापत्र समिति से बाहर किए जाने के बाद मनीष तिवारी ने 02

जुलाई को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि, 'जो होना है, वो होकर रहेगा। जब सोशल मीडिया पर फूटा मनीष तिवारी का दर्द

मनीष तिवारी ने लिखा, "जब आपकी काबिलियत दूसरों की असुरक्षा बन जाती है, तो फैसले सांगठनिक नहीं, बल्कि निजी पूर्वाग्रहों से तय होते हैं। काश मेरे पास व्यक्तियों और संस्थाओं की असुरक्षाओं का कोई तोड़ (एंटीडोट) होता।"

उन्होंने आगे लिखा कि 1981 में उन्होंने एनएसयूआई (ठरवक) के एक आम कार्यकर्ता के रूप में पार्टी के लिए काम करना शुरू किया था। छात्र राजनीति से लेकर यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और सांसद बनने तक, उन्होंने अपने जीवन के करीब 45 साल पूरी वफादारी से सिर्फ कांग्रेस की सेवा में लगाए हैं।

## केंद्र सरकार ने कानपुर की इस परियोजना को दी मंजूरी, सीएम योगी ने पीएम मोदी का जताया आभार

**कानपुर-कबरई ग्रीनफील्ड हाईवे परियोजना को पीएम मोदी ने मंजूरी दी है. योजना से कानपुर और आसपास के क्षेत्र को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी. मुख्यमंत्री योगी ने पीएम मोदी का धन्यवाद किया है.**

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ी सौगात मिली है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने कानपुर-कबरई एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को मंजूरी दे दी है. करीब 7,145 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली इस परियोजना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए लिखा कि 'विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को नई शक्ति देने वाले इस दूरदर्शी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक आभार. उन्होंने यह भी लिखा कि भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान केअनुरूप बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और कानपुर रिंग रोड को निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा. इससे आवागमन सुगम होगा, निवेश को नई गति मिलेगी और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को सुदृढ़ आधार प्राप्त होगा.

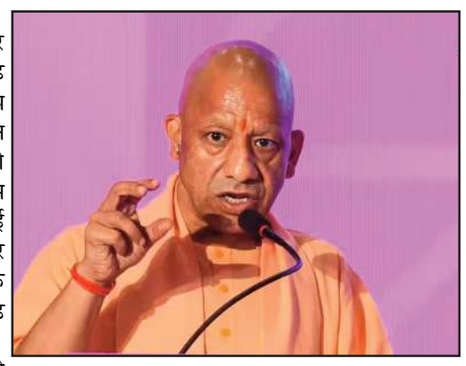

कानपुर को तेज गति के साथ रफ्तार देने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग की यह खूबी है कि यह राजमार्ग-34 के अंतर्गत बनने वाला यह 117.7 किलोमीटर लंबा चार लेन का एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाईवे भविष्य में छह लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा. इस हाईवे के बनने के बाद कानपुर से कबरई तक का सफर, जो अभी करीब साढ़े तीन घंटे में पूरा होता है, वह घटकर करीब डेढ़ घंटे रह जाएगा.

इस परियोजना का उद्देश्य हाईवे को कानपुर, कबरई, सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के बीच तेज और सुगम कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है. इससे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों का जुड़ाव मध्य प्रदेश के खनिज, कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों से और मजबूत होगा. इतना ही नहीं इससे व्यापार, उद्योग और माल परिवहन को भी गति मिलेगी.

बता दें इस परियोजना के निर्माण से बड़ी संख्या में लोगो को रोजगार का अवसर मिलेगा. यह भी आकलन है कि निर्माण कार्य के दौरान करीब 1.2 करोड़ मानव-दिवस प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे. साथ ही इससे स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी.

## दिल्ली में बनेगी 8किमी. की अंडरग्राउंड टनल! द्वारका से वसंत कुंज तक पूरा रूट, लागत ₹7000 करोड़

दिल्ली में ट्रैफिक जाम कम करने और शहर के अलग-अलग हिस्सों के बीच सफर को तेज बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) ने करीब 6,969.67 करोड़ रुपये की लागत वाली 8.1 किलोमीटर लंबी छह लेन रोड टनल परियोजना को मंजूरी दे दी है।

यह टनल द्वारका एक्सप्रेसवे (एनएच-248 बीबी) को नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज से सीधे जोड़ेगी। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी को इस सौगात के लिए धन्यवाद कहा है।

## पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की जनाजे में नहीं जाएंगे बेटे मोजतबा खामेनेई का डर या टूट गए हैं पैर! क्या है असली वजह?

(जीएनएस)।

ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक करने की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। लेकिन इस बीच एक बड़ी जानकारी सामने आई है। भारत में सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि अयातुल्ला हकीम इलाही ने बताया कि खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई अपने पिता की अंतिम विदाई में सार्वजनिक रूप से शामिल नहीं हो पाएंगे। इजरायल के साथ जारी तनाव और सुरक्षा खतरे को देखते हुए ईरानी एजेंसियां कोई जोखिम नहीं लेना चाहतीं।

**दिल्ली से तेहरान रवाना होने से पहले दी अहम जानकारी**

अयातुल्ला हकीम इलाही ने दिल्ली से तेहरान रवाना होने से पहले कहा कि वहां सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई खुद आम लोगों के बीच जाकर अपने पिता को अंतिम विदाई देना चाहते हैं, लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने इसे बेहद खतरनाक माना है। मौजूदा हालात में उनकी सुरक्षा की पूरी गारंटी देना संभव नहीं

है। यही वजह है कि उनके सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना बहुत कम मानी जा रही है।

**ईरान-इजरायल तनाव के बीच हो रहा जनाजे**

अमेरिका और इजरायल के हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन के बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में ईरान कई दिनों तक चलने वाले राजकीय जनाजे की तैयारी कर रहा है। सरकार इस आयोजन को सिर्फ अंतिम विदाई नहीं, बल्कि देश की एकजुटता और इस्लामी गणराज्य की मजबूती दिखाने का मौका भी मान रही है।

**देशभर से उमड़ रही है भारी भीड़**

खामेनेई के निधन को ईरान में बड़ी राष्ट्रीय क्षति माना जा रहा है। पूरे देश में शोक का माहौल है और लाखों लोग श्रद्धांजलि देने के लिए अलग-अलग शहरों से पहुंच रहे हैं। विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग जनाजे में शामिल होने आ रहे हैं। यही वजह है कि इस पूरे कार्यक्रम को कई चरणों में अलग-अलग शहरों और धार्मिक स्थलों पर आयोजित किया जा रहा है।

## सीएम योगी और गोरखनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी किसने दी? पुलिस भी रह गई हैरान

गोरखपुर पुलिस महकमे में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक युवक ने डॉयल 112 पर कॉल कर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और गोरखनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी. आनन-फानन में उच्च अधिकारियों के निर्देश पर टीम गठित हुई. पुलिस, एसओजी, और सर्विलांस टीम की मदद से युवक को 24 घंटे के अंदर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया. हैरानी की बात यह है कि पुलिस ने जब पूछताछ के बाद जांच पड़ताल शुरू की तो धमकी देने वाला युवक 15 साल का नाबालिग और मानसिक रूप से विक्षिप्त निकला. उसने इसके पहले 2025 में भी इसी तरह अयोध्या को बम से उड़ाने की धमकी दे चुका है.

## 63 किलोमीटर लंबा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे 13 जुलाई को खुलेगा, देना होगा भारी भरकम टोल

(जीएनएस)।

लखनऊ : लखनऊ और कानपुर के बीच सफर अब 45 मिनटों का हो जाएगा. 13 जुलाई से लखनऊ-कानपुर 6 लेन एक्सप्रेस-वे जनता के लिए खुल जाएगा. करीब 63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संयुक्त रूप से करेंगे. कार्यक्रम में राज्यपाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे. एनएचएआई ने 13 जुलाई की तारीख की पुष्टि कर दी है.

इस एक्सप्रेस-वे को बनाने में लगभग कुछ रिपोर्ट में इसकी लागत 4700 करोड़ रुपये भी बताई गई है. एक्सप्रेस-वे 6 लेन का है और पूरी तरह सिग्नल-फ्री बनाया गया है. इस पर 100 से ज्यादा कैमरे लगाए गए हैं, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके. अमौसी से बनी के बीच दो एलिवेटेड सेक्शन, 3 बड़े पुल, 28 छोटे पुल, 38 अंडरपास और 6 फ्लाईओवर भी बनाए गए हैं.

35 मिनट में पूरा होगा सफर : एनएचएआई के मुताबिक, अभी लखनऊ से कानपुर जाने में ठल्-27 से 2.5 से 3 घंटे लगते हैं. नया एक्सप्रेस-वे खुलने के बाद यह दूरी सिर्फ 35 से 45 मिनट में पूरी हो जाएगी. एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियों की रफ्तार 120 किमी प्रति घंटा तय की गई है. एनएचएआई ने टोल दरें भी फाइनल कर दी हैं.

टोल दरें तय : कार, जीप और रवश के लिए एक तरफ का टोल 275 रुपये होगा. अगर 24 घंटे में वापसी करते हैं तो 415 रुपये देने होंगे. हल्के कमर्शियल वाहन का टोल एक तरफ 445 रुपये और वापसी पर 670 रुपये है. बस और ट्रक के लिए 935 रुपये एक तरफ और 1405 रुपये वापसी का टोल लगेगा. भारी वाहनों के लिए यह दर 1020 रुपये और 1530 रुपये तय की गई है.

पुराने हाईवे से 186% ज्यादा टोल : रोजाना सफर करने वालों के लिए सालाना पास की सुविधा भी मिलेगी.3,075 रुपये के पास से एक साल में 200 बार टोल से गुजर सकेंगे. दोपहिया और तिपहिया वाहनों को इस एक्सप्रेस-वे पर चलने की अनुमति नहीं होगी. टोल पुराने हाईवे के मुकाबले 186% ज्यादा है. ठल्-27 पर कार का टोल सिर्फ 95 रुपये है. लोकार्पण कार्यक्रम कानपुर रोड पर होगा. इसी दिन इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे के फ्लाईओवर का भी शिलान्यास किया जाएगा.

# यूपी को मिलेगा नया प्रशासनिक ट्रेनिंग सेंटर, सीएम योगी करेंगे राम मनोहर लोहिया अकादमी परिसर का लोकार्पण

(जीएनएस)।

लखनऊ। प्रदेश में सुशासन को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह तथा भविष्य की प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में योगी सरकार शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के अत्याधुनिक नवीन परिसर का लोकार्पण करेंगे।

लगभग 464 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 22.5 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित यह परिसर प्रदेश की सात दशक से अधिक पुरानी प्रशासनिक प्रशिक्षण व्यवस्था को आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, उन्नत तकनीक और वैश्विक प्रशिक्षण मानकों से जोड़ते हुए नई दिशा देगा।

आईएएस, पीसीएस समेत विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण तथा नेतृत्व विकास का यह केंद्र भविष्य की प्रशासनिक चुनौतियों के अनुरूप प्रदेश की शासन व्यवस्था को और अधिक सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रदेश की प्रशासनिक प्रशिक्षण व्यवस्था की शुरूआत वर्ष 1951 में ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल (ओटीएस) से हुई थी। पिछले सात दशकों से अधिक समय में इस संस्थान ने आईएएस, पीसीएस, न्यायिक सेवा, राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित ग्रुप 'ए' एवं ग्रुप 'बी' अधिकारियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सुलतानपुर रोड स्थित सीजी सिटी में बने इस नवीन परिसर में एक साथ 300 आवासीय तथा 900 गैर-आवासीय, यानी कुल 1,200 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था विकसित की गई है।

परिसर में 13 अत्याधुनिक प्रशिक्षण कक्ष, 300 सीटों का प्रेक्षागृह, दो बहुउद्देशीय हाल, डिजिटल लर्निंग सेंटर, डिजिटल स्टूडियो, डिजिटल लैब, आधुनिक पुस्तकालय, कान्फ्रेंस रूम, बोर्ड रूम, शोध एवं अध्ययन सुविधाएं, क्रिकेट मैदान, बैडमिंटन कोर्ट तथा लान टेनिस कोर्ट जैसी अत्याधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की भी सुविधा होगी।

नया परिसर अधिकारियों और कर्मचारियों को बदलती प्रशासनिक अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के साथ नीति क्रियान्वयन, पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी का नया परिसर राज्य में प्रशासनिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को नई दिशा देगा। आधुनिक संसाधनों और वैश्विक मानकों से युक्त यह संस्थान सुशासन, नवाचार और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध, दक्ष एवं संवेदनशील प्रशासनिक नेतृत्व तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एम. देवराज,
महानिदेशक, डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी

# धीरज वैष्णव? जिनकी संतूर प्रस्तुति पर पीएम मोदी ने कह दी ऐसी बात, हर कोई देखता रह गया

**उदयपुर के धीरज वैष्णव ने भारत-जापान समारोह में संतूर बजाकर पीएम मोदी को प्रभावित किया. पीएम ने जापान की पीएम को संतूर सिखाने को कहा. धीरज वैष्णव राजस्थान के उदयपुर जिले के पास स्थित छोटे से गांव डांगियों की हुंदर के रहने वाले हैं. उनका जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां संगीत का माहौल पहले से था. उनके पिता गोपालदास वैष्णव जाने-माने भजन गायक हैं.**

(जीएनएस)।

जयपुर. नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में गुरुवार को भारत और जापान के बीच आयोजित एक खास राजकीय समारोह में ऐसा पल आया, जिसने वहां मौजूद सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. मंच पर संतूर की मधुर धुन गूंज रही थी और उसे बजा रहे थे राजस्थान के उदयपुर के युवा कलाकार धीरज वैष्णव. उनकी प्रस्तुति इतनी पसंद आई कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुस्कुरा उठे. समारोह के दौरान उन्होंने धीरज से कहा, ह्लअरे वैष्णव, जरा इन्हें संतूर बजाना सिखाओ.ह्व यह सुनकर वहां मौजूद लोगों के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई और माहौल बेहद आत्मीय हो गया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के सम्मान में यह राजकीय भोज आयोजित किया था. इसी कार्यक्रम में धीरज वैष्णव ने संतूर वादन की प्रस्तुति दी. इसके बाद उन्होंने जापान

की प्रधानमंत्री को संतूर बजाने की कुछ शुरूआती बातें भी समझाईं. यह पल समारोह की सबसे खास यादों में शामिल हो गया. बताया जा रहा है कि इस खास मौके का वीडियो भी प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं.

### छोटे से गांव से निकलकर पहुंचे अंतरराष्ट्रीय मंच तक

धीरज वैष्णव राजस्थान के उदयपुर जिले के पास स्थित छोटे से गांव डांगियों की हुंदर के रहने वाले हैं. उनका जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां संगीत का माहौल पहले से था. उनके पिता गोपालदास वैष्णव जाने-माने भजन गायक हैं. बचपन से ही धीरज को घर में संगीत सुनने और सीखने का मौका मिला. यहीं से उनकी रुचि संगीत की ओर बढ़ती चली गई. वर्ष 2014 में उन्होंने उदयपुर में पंडित रामकृष्ण बोस से तबला वादन की शिक्षा शुरू की. तबले के जरिए उन्होंने लय और ताल की मजबूत समझ बनाई. करीब पांच साल पहले उन्होंने सोपोरी सूफि याना घराना की परंपरा में संतूर सीखना शुरू किया. आज वह दिल्ली में पद्मश्री पंडित भजन सोपोरी के सुपुत्र और प्रसिद्ध संतूर वादक पंडित अभय रुस्तम सोपोरी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे हैं. साथ ही घराने के वरिष्ठ शिष्य दिव्यांश हर्षित श्रीवास्तव से भी संतूर की उन्नत शिक्षा हासिल कर रहे हैं.

### देश के कई बड़े मंचों पर दे चुके हैं प्रस्तुति

लगातार रियाज, मेहनत और अनुशासन के दम पर धीरज वैष्णव ने कम समय में अपनी अलग पहचान बना ली है. वह विश्व संतूर दिवस 2025 पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में भी संतूर वादन कर चुके हैं. इसके अलावा देश के कई बड़े कॉर्पोरेट सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सरकारी आयोजनों और राष्ट्रीय स्तर के मंचों पर भी अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं. 2 जुलाई 2026 को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत और जापान के इस प्रतिष्ठित राजकीय समारोह में प्रस्तुति देना अब तक उनके संगीत जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में माना जा रहा है. इस समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित भारत और जापान के कई वरिष्ठ अधिकारी और विशिष्ट अतिथि भी मौजूद रहे.

### सोपोरी सूफियाना घराना की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए कर रहे रियाज

धीरज वैष्णव का कहना है कि वह भारतीय शास्त्रीय संगीत और सोपोरी सूफि याना घराना की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए लगातार सीख रहे हैं और रियाज कर रहे हैं. उदयपुर के इस युवा कलाकार की उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे राजस्थान को गर्व का मौका दिया है. उनके इस सफर को अब युवा कलाकारों के लिए भी प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है.

# अयोध्या में पहले दिन डेढ़ हजार शिक्षकों ने दी टीईटी परीक्षा, 650 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

(जीएनएस)।

अयोध्या। तीन दिनी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 गुरुवार को 17 केंद्रों पर शुरू हुई। ये परीक्षा तीन व चार जून को भी इतने ही केंद्रों पर आयोजित होगी। प्रत्येक केंद्र पर नकल रोकने के लिए एक-एक सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे।

दो पालियों में से प्रत्येक में 7584 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें पहली पाली में 663 व दूसरी पाली में 650 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। पहली पाली की परीक्षा सुबह साढ़े नौ से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर ढाई से शाम पांच बजे तक हुई। पहले दिन उच्च प्राथमिक टीईटी हुई।

दूसरे दिन शुक्रवार को प्रथम पाली

में उच्च प्राथमिक तथा दूसरी पाली में प्राथमिक स्तर की टीईटी आयोजित की जाएगी। तीसरे दिन शनिवार को प्राथमिक स्तर की शिक्षक पात्रता परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। इसमें लगभग डेढ़ हजार शिक्षकों के शामिल होने की सूचना है।

बीएसए लालचंद्र ने अवकाश लेकर शिक्षकों की परीक्षा दी। पर्याप्त सुरक्षा कर्मी केंद्र की निगरानी कर रहे थे। सीसी कैमरों से परीक्षा पर नजर रखी गई और रिकॉर्डिंग कराई गई। पूरे दिन गहमागहमी रही। केंद्रों के सामने अभिभावकों का तांता लगा रहा।

### किसी को कठिन तो कई ने बताया आसान प्रश्नपत्र

राजकीय बालिका इंटर कालेज से परीक्षा देकर बाहर आईं आरती वर्मा ने बताया कि प्रश्नपत्र आसान था, तो वहीं पास में मिले उमेश प्रताप ने बताया कि कुछ प्रश्न कठिन होने के कारण छूट गये। इसी तरह कयूम, बेवी गुप्ता आदि ने प्रश्नपत्र को आसान बताते हुए अच्छे अंक हासिल करने की उम्मीद जताई।

# लखनऊ : अमेरिका-रूस और चाइना से होकर हवाला के जरिए आते थे ठगी के पैसे, रात में चलता था कॉल सेंटर; सुबह सभी हो जाते थे गायब

(जीएनएस)।

लखनऊ। समिट बिल्डिंग की 11वीं मंजिल पर सब कुछ सामान्य दिखाई देता था। दिन में दफ्तर लगभग शांत रहता, लेकिन रात होते ही यहां सैकड़ों फोन एक साथ बजने लगते थे। विदेशी लहजे में बातचीत होती और कंप्यूटर स्क्रीन पर हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों का डाटा खुलता।

सुबह होने तक काम खत्म हो जाता और कर्मचारी अपने-अपने फ्लैटों की ओर लौट जाते। इसी वजह से लंबे समय तक किसी को इस बात का अंदाजा नहीं हुआ। यही नहीं, रकम अमेरिका से रूस और चाइना होते हुए हवाला के जरिए भारत पहुंचती थी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क का कथित मास्टरमाइंड अहमदाबाद का रहने वाला विनीत शर्मा है, जो एक प्रतिष्ठित कारोबारी है। सूत्रों के मुताबिक, विनीत की कंपनी ह्यसोलारिस साल्यूशनह्व की नेटवर्थ 500 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। उसके साथ कई अन्य साझेदार भी इस कारोबार में जुड़े हुए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ठगी से हासिल रकम सीधे बैंकिंग चैनल से नहीं लाई जाती थी।

### बदलवाते थे गिफ्ट कूपन

अमेरिका में बैठे नेटवर्क के सहयोगी ठगी की रकम को गिफ्ट कूपन में बदलवाते थे। इसके बाद यह गिफ्ट कूपन रूस भेजे जाते थे। वहां से रकम चीन पहुंचती और फिर हवाला नेटवर्क के जरिए भारत लाई जाती थी। इसके बाद विनीत शर्मा और उसके सहयोगी रकम का बंटवारा करते थे।

इस तरह की लेयरिंग के कारण पैसों के स्रोत तक पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण है। लेनदेन कई देशों और कई माध्यमों से होकर गुजरता है, इसलिए प्रत्येक कड़ी की पुष्टि करने में लंबा समय लग सकता है। प्रारंभिक जांच में नेटवर्क के तार अहमदाबाद, महाराष्ट्र, गोवा समेत पांच राज्यों से जुड़े मिले हैं। काल सेंटर में काम करने वाले कर्मचारियों को पता था कि वे वैध ग्राहक सेवा नहीं बल्कि साइबर ठगी के नेटवर्क का हिस्सा हैं।

रात के समय संचालन होने के कारण गतिविधियां सामान्य काल सेंटर जैसी ही प्रतीत होती थीं और इसी वजह से लंबे समय तक किसी को संदेह नहीं हुआ।

छापेमारी के दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था बबलू कुमार, डीआइजी साइबर क्राइम, विभूतिखंड थाना पुलिस, साइबर सेल और अन्य थानों का पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

### बिल्डिंग मालिक से होगी पूछताछ

आफिस किराए पर देने वाले बिल्डिंग बिल्डिंग मालिक से भी पूछताछ की जाएगी, ताकि कार्यालय किराये पर देने से पहले सत्यापन कराया गया था या नहीं। वहीं, बरामद डाटा की मदद से यह पता लगाया जा रहा है कि अब तक इस गिरोह ने कितने लोगों को शिकार बनाया है। परिसर में पुलिस चौकी बनी है। प्रतिदिन पुलिसकर्मी तैनात रहने के बाद भी उन्हें शक नहीं हुआ। सभी लड़कियों के लिए कैब लगी थी, ताकि किसी को कोई शक न हो।

# लखनऊ में 3 से 5 जुलाई तक होगा उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026

**800 से अधिक आम की प्रजातियां होंगी प्रदर्शित, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे शुभारंभ**

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 3 से 5 जुलाई तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में ह्यउत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026ह्व का आयोजन किया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को तीन दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ करेंगे. उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि महोत्सव में 7 श्रेणियों और 56 वर्गों में 800 से अधिक आम की प्रजातियों का प्रदर्शन किया जाएगा. 4 जुलाई को जन भवन में आम क्रेता-विक्रेता सम्मेलन भी

आयोजित होगा.

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के उद्यान विभागों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील बागवान और निर्यातक महोत्सव में भाग लेंगे. बच्चों के लिए आम खाने और आम से बने व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी. बागवानों के लिए आधुनिक तकनीक, विपणन और कीट नियंत्रण पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी.

मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश में आम उत्पादन में पहले स्थान पर है. प्रदेश में 3.27 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 61.96 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन होता है. उन्होंने बताया कि आम का निर्यात लगातार बढ़ रहा है और प्रदेश का दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली सहित कई प्रसिद्ध किस्मों का निर्यात ब्रिटेन, यूएई, जापान, रूस और अन्य देशों में किया जा रहा है.

# गोरखपुर को एक और सौगातः ₹689 करोड़ का भटहट-बांसस्थान फोरलेन तैयार, आयुष विश्वविद्यालय जाना अब होगा बेहद आसान

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में बेहतरीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की नई नजीर पेश कर रहे गोरखपुर के विकास पथ पर एक और चमचमाता अध्याय जुड़ने जा रहा है. प्रदेश के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय को जोड़ने वाली भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क पूरी तरह बनकर तैयार है. करीब 689.35 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस 12 किलोमीटर लंबी अत्याधुनिक सड़क का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों कराने की तैयारियां जिला प्रशासन ने तेज कर दी हैं. इसके शुरू होते ही न केवल स्थानीय लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी, बल्कि दूर-दराज से आने वाले मरीजों के लिए भी आयुष विश्वविद्यालय पहुंचना बेहद सुगम हो जाएगा. रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की नजीर पेश कर रहे गोरखपुर में एक और फोरलेन (भटहट-बांसस्थान) सड़क लोकार्पण के लिए तैयार है. राज्य के पहले आयुष विश्वविद्यालय मार्ग पर इस फोरलेन सड़क का निर्माण कराया गया है. जिला प्रशासन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों इसे जनता को समर्पित करने की तैयारी कर रहा है. इसी सिलसिले में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने गुरुवार को इस फोरलेन परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश दिए. कार्यदायी संस्था ने बताया कि निर्माण कार्य पूरा है, वर्तमान में पेंटिंग का काम तेजी से चल रहा है.

### ₹689.35 करोड़ की लागत से दूर होगी मरीजों की राह

भटहट से बांसस्थान तक करीब 12 किमी लंबाई वाली इस फोरलेन सड़क के निर्माण पर 689.35 करोड़ रुपये की लागत आई है. इसी मार्ग पर प्रदेश के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है. पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे आयुष विश्वविद्यालय तक जाने के लिए स्थानीय लोगों और दूर-दराज से आने वाले मरीजों के लिए फोरलेन की कनेक्टिविटी योगी सरकार की तरफ से नई सौगात होगी.

### लोक निर्माण विभाग ने तैयार की 'मॉडल रोड'

आयुष विश्वविद्यालय तक पहुंचने की राह अब बेहद सुगम हो, इसके लिए भटहट से बांसस्थान तक 11.60 किमी की लंबाई में फोरलेन सड़क का निर्माण कराया गया है. कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग, निर्माण खंड-तीन के अनुसार 689.35 करोड़ रुपये की इस फोरलेन सड़क परियोजना पर कार्य 24 मार्च 2023 को शुरू हुआ था. अब यह सड़क बनकर तैयार है, पेंटिंग का ही काम शेष है जिसे शीघ्रता से कराया जा रहा है. सड़क के दोनों ओर जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, जिससे यह मार्ग एक मॉडल रोड के रूप में स्थापित हो सके.

# 'मिनी जामताड़ा'! 92 लड़के और 27 लड़कियां मिलकर चलाते थे ठगी का धंधा

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। लखनऊ पुलिस ने शहर के गोमती नगर की समिट बिल्डिंग की 11वीं मंजिल से चल रहे एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच करने वाले अधिकारियों ने इसे 'मिनी जामताड़ा' कहा है। ऑइस मामले में पुलिस ने 119 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें 92 युवक और 27 युवतियां शामिल हैं। यह सभी कथित तौर पर

अमेरिका के नागरिकों को निशाना बनाने वाले एक बहुत ही संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े थे।

पुलिस ने बताया कि यह रैकेट सोलारिस सॉल्यूशन नाम के एक फर्जी कॉल सेंटर से चलाया जा रहा था। यह रैकेट कामर्शियल कॉम्प्लेक्स में स्थित दो ऑफिसों में करीब 18 महीनों से काम कर रहा था। साइबर अपराध रैकेट के खिलाफ कार्रवाई डीसीपी (क्राइम) अनिल यादव और एडिशनल डीसीपी (क्राइम) किरण यादव के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने की।

इस रैकेट के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस ने समिट बिल्डिंग में छापा मारा। पुलिस ने पाया कि वहां एक अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर चल रहा है। इसमें आधुनिक कम्युनिकेशन सिस्टम, कई वर्कस्टेशन और कॉलिंग के लिए खास टीमें काम कर रही थीं। ऑपरेशन के दौरान 119 कर्मचारियों और सहयोगियों को हिरासत में लिया गया। जांचकताओं ने 100 लैपटॉप, 178 मोबाइल फोन, स्टोरेज डिवाइस और बहुत सारे डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए। यह सामान फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है।

### अमेरिकी बोलचाल के लहजे की ट्रेनिंग

पुलिस के अनुसार साइबर अपराधियों का यह सिंडिकेट कथित तौर पर राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल और कई पूर्वोत्तर राज्यों से अंग्रेजी बोलने वाले युवाओं को 30 - 35 हजार रुपये की मासिक सैलरी पर भर्ती करता था। भर्ती किए गए लोगों को काम पर लगाने से पहले अमेरिकी लहजे, पहले से तय बातचीत और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करने की तकनीकों की ट्रेनिंग दी जाती थी।

### निशाने पर अमेरिकी नागरिक

जांच अधिकारियों के अनुसार, यह रैकेट मुख्य रूप से कानूनी एजेंसियों, बैंकों और टेक्नोलॉजी कंपनियों के अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करके अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाता था। शिकार बनाए जाने वाले लोगों को कथित तौर पर बताया जाता था कि मनी लॉन्ड्रिंग, पहचान छुपाने या वित्तीय धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों के लिए उनकी जांच चल रही है और उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया है। यह साइबर धोखाधड़ी की एक तकनीक है जिसमें पीड़ितों को लगातार वीडियो या वॉयस कॉल पर रखा जाता है और उन्हें झूठा यकीन दिलाया जाता है कि वे आधिकारिक निगरानी में हैं और उन्हें किसी और से संपर्क करने की इजाजत नहीं है।

# आईपीएस किरन यादव कौन हैं? लखनऊ में तोड़ी 'मिनी जामताड़ा' की कमर, मौके से पकड़े 92 लड़के और 27 लड़कियां

(जीएनएस)।

लखनऊः यूपी की राजधानी लखनऊ में क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठग गैंग का पदार्फाश किया है। गोमती नगर स्थित समिट बिल्डिंग में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर छापेमारी के दौरान पुलिस ने 119 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। इनमें 92 लड़के और 27 लड़कियां शामिल हैं। इस गिरोह के तार कई देशों से जुड़े होने की बात सामने आई है। यह पूरी कार्रवाई एडीसीपी क्राइम किरन यादव के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच और कई थानों की संयुक्त पुलिस दल ने बुधवार देर रात अंजाम दिया।

इस एक्शन के बाद सोशल मीडिया पर आईपीएस अफसर किरन यादव के बारे में चर्चा शुरू हो गई है। गूगल पर भी लोग उनके बारे में ढूंढ रहे हैं। आईपीएस किरन यादव 2021 बैच की अफसर हैं। उनका जन्म 3 मई 1987 को हुआ था। उन्होंने बीकॉम, ईकॉम और सीए की शिक्षा प्राप्त की है। वह मूलरूप से यूपी के सुल्तानपुर की रहने वाली हैं। उनके पिता का नाम शत्रुघ्न सिंह यादव है। उन्होंने

2020 यूपीएससी परीक्षा में शामिल होकर ऑल इंडिया 392वीं रैंक हासिल की थी। उनके पिता चंडीगढ़ में इंजीनियर हैं। किरण के भाई सूरज यादव कनाडा की कंपनी में इंजीनियर हैं। आईपीएस किरन यादव इससे पहले लखनऊ में ही एसीपी के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं।

### अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी करते थे

आपको बता दें कि समिट बिल्डिंग में चलने वाले कॉल सेंटर की नजर अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी करने पर थी। ये लोग फर्जी कॉल सेंटर के जरिये विदेशी नागरिकों को तकनीकी सहायता, बैंकिंग और अन्य सेवाओं के नाम पर झांसा देकर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने मौके से करीब 119 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिा। इनके पास से कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन समेत कई इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद हुए हैं। पुलिस गैंग के सरगनाओं, विदेशी संपर्कों, बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट और हवाला के जरिये हुए लेनदेन की गहन पड़ताल कर रही है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

# सम्पादकीय

## सम्मान के लिये ट्रंप से मेलोनी का विवाद

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से जुड़े कई पोस्ट सोशल मीडिया पर तैर रहे हैं। इनमें से वुछ में तो ऐसा दिखाया गया है जैसे वो किसी ब्रेक- अप के बाद अपनी जिंदगी बदलने की कोशिश कर रही हों। एक एआई फोटो में उन्हें नए हेयरकट के साथ दिखाया गया है। एक अन्य तस्वीर में उन्हें सिंगल हॉलिडे बुक करते हुए दिखाया गया है। ये सारी तस्वीरें असली नहीं हैं, लेकिन उनका मजाक इसलिए बनाया जा रहा है क्योंकि मेलोनी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच खुले तौर पर विवाद अब सामने आ रहे हैं। पिछले वुछ महीनों में ट्रंप और मेलोनी का रिश्ता कभी खुले हमलों तक गया, कभी भी निजी तानों तक और फिर थोड़ा ठीक भी हुआ लेकिन इन उठापटक से यूरोप की सबसे चर्चित राजनीतिक दोस्ती ठंडी पड़ गई। वुछ समय पहले तक लोग मेलोनी को ट्रंप की सहयोगी कहते थे। इसकी बानगी जनवरी 2025 में देखने को मिली जब ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें सबसे आगे बैठने की जगह मिली। समारोह में यह अहम जगह पाने वाली वह अकेली यूरोपीय नेता थीं। पिछले अप्रैल में मेलोनी व्हाइट हाउस गईं थीं। वहां वह उस उद्देश्य से गईं थीं ताकि यूरोपीय सामान पर लगे अमेरिकी ट्रेड टैरिफ को लेकर तनाव कम हो। लेकिन ट्रंप की जैसी आदत है, उनकी अनिश्चितता मेलोनी के लिए मुश्किल भरी साबित हुईं और उनकी साख को देश-विदेश दोनों जगह चोट पहुंची। ट्रंप और मेलोनी में पहली बड़ी दरार मार्च के आखिर में आईं। इटली के रक्षा मंत्रालय ने अमेरिकी सैन्य जहाजों को सिसिली के सिगोनेला नाटो एयरबेस इस्तेमाल करने की इजाजत देने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए संसद की मंजूरी जरूरी है। इटली ने ये कदम इसलिए उठाया क्योंकि उनका कानून और जनता दोनों ही ईरान युद्ध के खिलाफ थे। यह विवाद और बढ़ गया। अपैल में ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोप लियो (14वें) पर हमला करते लिखा, क्योंकि उन्होंने ईरान के खिलाफ युद्ध की चेतावनी व आलोचना की थी। ट्रंप ने उन्हें कमजोर बताया। वैथोलिक देश की नेता मेलोनी ने ट्रंप के बयान को अस्वीकार्य बताया। मेलोनी की सख्त प्रतिक्रिया ट्रंप को पसंद नहीं आईं और उन्होंने इटली के अखबार कोरिएरे डेला सेरा से कहाः मैं हैरान हूं, मुझे लगा था कि उनमें हिम्मत है, लेकिन मैं गलत था। वह अब पहले जैसी नहीं रही और इटली भी पहले जैसा देश नहीं रहा।

प्रांस ने जी-7 सम्मेलन में ट्रंप और मेलोनी को बातचीत करते हुए देखा गया था। दोनों देशों के अधिकारियों ने इस बातचीत को सकारात्मक और सामान्य बताया। लेकिन वुछ ही दिनों बाद ट्रंप ने इतालवी चैनल को कहा मेलोनी ने समिट में उनसे फोटो खिंचवाने के लिए मिन्नत की थी। ट्रंप ने कहा कि वह मेरे साथ तस्वीर चाहती थीं, मैं नहीं लेता, लेकिन मुझे उन पर तरस आ गया। मेलोनी ने तुरंत जबाव दिया, उन्होंने वीडियो जारी कर ट्रंप की बात को पूरी तरह मनगढ़ंत बताया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि अमेरिका के राष्ट्रपति अपने सहयोगियों के साथ ऐसा क्यों करते हैं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि अफसोस है कि वह पश्चिम के दुश्मनों के खिलाफ ऐसी मजबूती नहीं दिखाते। लेकिन एक बात याद रखनी चाहिए, न मैं और न ही इटली किसी की मिन्नत करता है। इसके तुरंत बाद इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने अपनी प्रस्तावित अमेरिकी यात्रा रद्द कर दी। इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला ने मेलोनी को फोन कर उनका समर्थन किया।

सरकार के सहयोगियों और सांसदों ने भी ट्रंप की टिप्पणियों को अपमानजनक बताया और माफी की मांग की। विपक्ष ने इसे पूरे देश का अपमान कहा। दूसरी तरफ ट्रंप ने फिर दोहराया कि मेलोनी ने बार-बार तस्वीर खिंचवाने की मांग की थी। मेलोनी पर यह भी आरोप लगाया कि वह अब दोबारा दोस्त बनने की कोशिश कर रही हैं। क्योंकि अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से हरा दिया है। जैसे ही यह विवाद ठंडा पड़ता दिखा तो सैन्य ठिकानों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया। यह विवाद ईरान युद्ध में आपरेशन फ्यूरी के दौरान इटली के अमेरिकी एयरबेस को लेकर उठा। नाटो के महासचिव मार्व रुटे ने बताया कि लगभग 500 विमान इटली में अमेरिकन ठिकानों से ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में उड़ान भरी।

# पीएम मोदी का जापान से दशकों पुराना रिश्ता, वो अनसुनी कहानी, जो है दोस्ती की सबसे मजबूत नींव

(जीएनएस)।

नई दिल्ली. जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के भारत दौरे के साथ भारत-जापान संबंधों को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है. लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है. यह रिश्ता आज का नहीं, बल्कि चार दशक से भी पुराना है. एक युवा फर प्रचारक की जापानी युवक से हुई दोस्ती से शुरू हुई यह कहानी आज भारत-जापान की सबसे मजबूत रणनीतिक साझेदारियों में गिनी जाती है.

नरेंद्र मोदी का जापान से पहला व्यक्तिगत जुड़ाव 1980 के दशक की शुरूआत में हुआ था. उस समय वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के युवा प्रचारक थे. नेपाल यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात जापान के नागोया शहर के एक युवक से हुई. दोनों के बीच ऐसी दोस्ती हुई, जो वर्षों तक चिट्ठियों के जरिए चलती रही. जापानी मित्र उन्हें मशहूर जापानी ब्रांड के जूते, टी-शर्ट और अन्य उपहार भेजता था, जबकि मोदी ने उसे भगवद्गीता की एक प्रति भेंट की. कम उम्र में ही मोदी अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल व्यक्तिगत दोस्ती नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने का माध्यम मानते थे.

समय बीतने के साथ जापान के प्रति उनका आकर्षण और गहरा होता गया. वर्ष 2007 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान पहुंचे नरेंद्र मोदी ने इस दौरे को सिर्फ निवेश जुटाने का कार्यक्रम नहीं बनने दिया. वह जापान को समझने और उससे सीखने के मिशन पर निकले थे. 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ उन्होंने टोक्यो, ओसाका, हिरोशिमा और कोबे का दौरा किया. मित्सुबिशी, मित्सुई, सुमितोमो, मारुबेनी, सुजुकी, तोशिबा, निप्पॉन स्टील और निसान स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात की. इसी दौरे में खएळफ्ड और गुजरात सरकार के बीच अहम निवेश समझौते भी हुए.

यही वह यात्रा थी, जिसमें नरेंद्र मोदी की मुलाकात जापान के भावी प्रधानमंत्री शिंजो आबे से हुई. पहली मुलाकात में ही दोनों नेताओं के बीच ऐसा विश्वास बना, जो आगे चलकर दुनिया की सबसे चर्चित राजनीतिक मित्रता में शामिल हो गया. बताया जाता है कि आबे की बीमारी के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी लगातार उनका हालचाल लेते रहे.

**जब बुलेट ट्रेन में कियाा सफर**

जापान की मशहूर शिंकानसेन बुलेट ट्रेन में सफर करते हुए नरेंद्र मोदी ने पहली बार भारत में भी बुलेट ट्रेन चलाने का सपना देखा. उन्हें ट्रेन के ड्राइवर के कॉकपिट में बैठने का दुर्लभ अवसर मिला, जहां उन्होंने इंजीनियरों से भूकंप सुरक्षा, समय की पाबंदी और तकनीकी व्यवस्था पर विस्तार से सवाल किए. बाद में यही अनुभव भारत की हाई-स्पीड रेल परियोजना की सोच का आधार बना. इस सफर के दौरान भाषा की बाधा भी उन्हें नहीं रोक सकी. उन्होंने जापानी बच्चों से दोस्ती की और यात्रा का

बड़ा हिस्सा उनके साथ खेलते-बात करते बिताया.

टोक्यो के ऐतिहासिक सेंसोजी मंदिर में भी मोदी सिर्फ दर्शन करने नहीं पहुंचे. उन्होंने वहां भीड़ प्रबंधन, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और शहरी व्यवस्था का बारीकी से अध्ययन किया. उनका मानना था कि भारत के तीर्थस्थलों में भी ऐसी व्यवस्थाएं लागू की जा सकती हैं.

जापान के एक विश्वविद्यालय में जब उनसे चीन के बढ़ते प्रभाव पर सवाल पूछा गया तो नरेंद्र मोदी ने तलवार की जगह दीपक का उदाहरण दिया. उन्होंने कहा, अंधेरे को तलवार से नहीं हराया जा सकता, एक छोटा-सा दीपक उसे दूर कर सकता है. उनका कहना था कि भारत और जापान अपने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के जरिए दुनिया के लिए वही प्रकाश बन सकते हैं.

जब पीएम मोदी ने मांगी थी जापान की मि ट्टी और पानी

मोदी की सोच केवल सरकारों तक सीमित नहीं थी. गुजरात के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान उन्होंने जापान में रहने वाले गुजरातियों से महात्मा मंदिर के निर्माण के लिए मिट्टी और पानी भेजने की अपील की. साथ ही उन्होंने प्रवासी भारतीयों से अपने जापानी मित्रों को भारत लाने और दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्ते मजबूत करने का आग्रह भी किया.

कच्छ में भूकंप के बाद पुनर्निर्माण के दौरान उन्होंने जापान के कोबे शहर के भूकंप-रोधी मॉडल को अपनाने पर जोर दिया. वहीं गुजरात में बच्चों के कुपोषण से लड़ने के लिए अधिकारियों को जापान की मिड-डे मील व्यवस्था का अध्ययन करने की सलाह दी.

**जब जापान के अखबार ने लिखा-इंडस्ट्री फ्रेंडली लीडर**

साल 2012 में नरेंद्र मोदी दोबारा जापान पहुंचे तो उनका स्वागत ऐसे सम्मान के साथ हुआ, जो किसी राज्य के मुख्यमंत्री को शायद ही कभी मिलता है. भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर उन्होंने सिर्फ पांच दिनों में पांच शहरों में 40 से अधिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया. जापान के प्रतिष्ठित अखबार निक्केई ने उन्हें भारत का सबसे उद्योग-अनुकूल नेता बताया. नवरात्रि का व्रत रखने और बेहद व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उन्होंने निवेशकों के साथ घंटों चर्चा की.

सुजुकी प्रमुख ओसामु सुजुकी के घर पारंपरिक जापानी आतिथ्य का अनुभव लेने के बाद नरेंद्र मोदी ने अचानक सुजुकी के ऑटोमोबाइल प्लांट को देखने की इच्छा जताई. उन्होंने तीन घंटे से ज्यादा समय तक पूरी निर्माण प्रक्रिया को देखा और भारतीय इंजीनियरों से विस्तार से बातचीत की. उनका उद्देश्य साफ था गुजरात को जापानी निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनाना.

JETRO बिजनेस फोरम में नरेंद्र मोदी ने कहा, जापान के पास अनुभव की ताकत है, गुजरात के पास उद्यम की शक्ति. जापान के पास तकनीक है और गुजरात के पास उसे अपनाने की क्षमता. यही सोच आगे चलकर भारत-जापान आर्थिक साझेदारी की पहचान बनी.

कोबे बंदरगाह का निरीक्षण करते समय उन्होंने दूर से देखने के बजाय नाव के जरिए पूरे ऑपरेशनल क्षेत्र का दौरा किया. विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर देखकर उन्होंने कहा, एक दिन मैं धोलेरा को भी ऐसा ही बनाऊंगा. बाद में विकसित हुए धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन (रक्क) में इस सोच की झलक साफ दिखाई दी.

**बुलेट ट्रेन का वही अनुभव आज काम आ रहा**

प्रधानमंत्री बनने के बाद यही अनुभव भारत-जापान संबंधों की सबसे बड़ी ताकत बने. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, रक्षा सहयोग, सप्लाई चेन रेजिलिएंस और हाई-टेक साझेदारी जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट अचानक नहीं बने. उनकी बुनियाद उन यात्राओं में रखी जा चुकी थी, जब नरेंद्र मोदी जापान को सिर्फ देख नहीं रहे थे, बल्कि उसे समझ रहे थे, सीख रहे थे और भारत के भविष्य का खाका तैयार कर रहे थे.

# 'मोदी ने 12 साल में भारत को बदलकर रख दिया', शशि थरूर ने लिखा

(जीएनएस)।

दिग्गज कांग्रेस नेता डॉ. शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल के कामकाज का आकलन करते हुए एक लेख लिखा है। उन्होंने पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम मोदी के दौर में देश ने जबरदस्त तरक्की की है।

**डॉ. शशि थरूर ने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ की**

नई दिल्लीः कांग्रेस के दिग्गज नेता डॉ. शशि थरूर ने एक लेख लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नेतृत्व क्षमता की तारीफ करते रहे हैं, जो पार्टी में ही उनके विरोधियों को कई बार रास नहीं आती हैं। थरूर ने देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की है और कहा है कि इससे यह बात तय हो गई है कि 21वीं सदी में भारत कैसे आगे बढ़ेगा।

**शशि थरूर ने 12 साल में मोदी के कार्यकाल का किया आकलन**

डॉ. शशि थरूर के कार्यालय ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर प्रोजेक्ट सिंडिकेट में लिखे अपने एक लेख को री-पोस्ट करते हुए जिक्र किया। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। शशि थरूर के

ऑफिस ने लिखा-क्या पिछले 12 सालों में भारत में बुनियादी बदलाव आया है? प्रोजेक्ट सिंडिकेट के लिए अपने हालिया लेख में डॉ. शशि थरूर ने मोदी सरकार के दौर में हुई तरक्की और उससे जुड़ी चिंताओं का आकलन करते हैं और यह भी बताते हैं कि इसका भारत के भविष्य पर क्या असर होगा।

**थरूर ने लिखा-12 साल में मोदी के कार्यकाल में जबरदस्त तरक्की**

थरूर ने लेख में लिखा-पिछले 12 सालों में, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में आर्थिक आधुनिकीकरण और सरकारी क्षमता बढ़ाने के मामले में जबरदस्त तरक्की हुई है। साथ ही संस्थागत स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों को शामिल करने के मामले में निराशाजनक गिरावट भी देखी गई है। यह रिकॉर्ड इस बात की अहम जानकारी देता है कि भारत 21वीं सदी में कैसे आगे बढ़ेगा।

आजादी के बाद भारत के तीन सबसे प्रभावशाली नेताओं में मोदी निस्संदेह उनके साथ खड़े हैं। मोदी की विरासत भी उन्हीं की तरह भारत की राह तय करेगी।

**डॉ. शशि थरूर, अपने एक लेख में मोदी आज नेहरू और इंदिरा के साथ खड़े हैं**

थरूर ने लिखा है-10 जून को नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने आजादी के दौर के नायक जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने पहले आम चुनावों के बाद 4,398 दिनों तक पद संभाला था।

थरूर ने लिखा-हालांकि नेहरू ने उन पहले चुनावों से पहले भी पांच साल तक भारत का नेतृत्व किया था और इंदिरा गांधी ने कुल मिलाकर उनसे ज्यादा समय तक सेवा की थी, लेकिन लगातार नहीं। फिर भी, आजादी के बाद भारत के तीन सबसे प्रभावशाली नेताओं में मोदी निस्संदेह उनके साथ खड़े हैं। मोदी की विरासत भी उन्हीं की तरह भारत की राह तय करेगी।

# गोविंदा से मुझे बेवफाई मिली, धोखा दिया', पत्नी सुनीता आहूजा का पति के अफेयर्स पर बड़ा खुलासा, बताई ऐसी सच्चाई

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। रिएलिटी शो 'लॉक अप' सीजन 2 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रहीं सुनीता आहूजा ने अपनी शादी, रिश्तों में आई मुश्किलों और परिवार को लेकर खुलकर बातचीत की है। शो के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि जिंदगी में जो कुछ हुआ, उसे अब बदलना संभव नहीं है और वह फिलहाल अपने बच्चों की खुशी को सबसे ज्यादा महत्व देती हैं।

शादी में आई चुनौतियों पर खुलकर बोलीं सुनीता आहूजा

शो में को-कंटेस्टेंट श्रेया कालरा के साथ बातचीत के दौरान सुनीता आहूजा से उनके पुराने इंटरव्यूज में किए गए चीटिंग और धोखे से जुड़े बयानों पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि जो बातें बीत चुकी हैं, उन पर अब ज्यादा सोचने का कोई फायदा नहीं है। सुनीता आहूजा ने इशारों में कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में स्टारडम के साथ कई तरह की परिस्थितियां जुड़ी होती हैं और कई बार परिवार को उन्हें स्वीकार करना पड़ता है। उनका कहना था कि उम्र के इस पड़ाव पर वह तनाव बढ़ाने के बजाय शांति से जीवन जीना पसंद करती हैं।

बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या ऐसी परिस्थितियां उन्हें परेशान नहीं करतीं, तो सुनीता आहूजा इमोशनल हो गई थीं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा उनके बच्चे हैं और अब उनका पूरा ध्यान उन्हीं पर केंद्रित है। उन्होंने ये भी कहा कि किसी इंसान को हर समय नियंत्रित करना या उसकी हर गतिविधि पर नजर रखना संभव नहीं होता। रिश्तों में भरोसा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता दोनों जरूरी हैं, इसलिए उन्होंने चीजों को लेकर ज्यादा सोचने के बजाय उन्हें स्वीकार करना सीख लिया है।

अलग-अलग घरों में रहने की बताई वजह

सुनीता आहूजा ने ये भी खुलासा किया कि वह और गोविंदा अलग-अलग घरों में रहते हैं। हालांकि उन्होंने इसे रिश्ते में दूरी से जोड़ने के बजाय निजी स्पेस की जरूरत बताया। उनके अनुसार गोविंदा के घर पर अक्सर लोगों का आना-जाना लगा रहता है जबकि उन्हें अपनी निजी जिंदगी में शांति और प्राइवेसी पसंद है। यही वजह है कि उन्होंने अलग रहने का फैसला किया ताकि दोनों अपनी-अपनी सुविधानुसार जीवन जी सकें।

सालों से चर्चा में रहे गोविंदा के अफेयर के किस्से

-जानकारी के अनुसार गोविंदा और सुनीता आहूजा ने साल 1987 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं- टीना आहूजा और यशवर्धन आहूजा हैं। अपने लंबे फिल्मी करियर के दौरान गोविंदा का नाम कई एक्ट्रेसेस के साथ जोड़ा गया। खासतौर पर 90 के दशक में एक्ट्रेस नीलम के साथ उनके रिश्तों की चर्चाएं खूब सुर्खियों में रही थीं।

-पिछले कुछ समय से गोविंदा का नाम एक मराठी एक्ट्रेस के साथ भी जोड़ा जाता रहा है। हालांकि इन खबरों की कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन इन्हें लेकर मीडिया और सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा होती रही है।

# 50 साल की फेमस एक्ट्रेस के पिता ने जुड़वा बहनों से कर ली शादी, भाजपा की महिला नेता को नहीं पता कौन हैं मां?

(जीएनएस)।

फिल्मी पर्दे पर अक्सर रिश्तों और परिवारों की अनोखी कहानियां दिखाई जाती हैं लेकिन साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस श्रुति कृष्णा की असल जिंदगी ऐसी है, जो किसी स्क्रिप्टेड कहानी से भी ज्यादा हैरान कर देने वाली लगती है। करीब 36 साल के करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में अपनी पहचान बनाने वाली ये एक्ट्रेस एक ऐसे परिवार में पली-बढ़ीं, जहां उन्हें दो-दो मां का प्यार मिला। दिलचस्प बात ये है कि आज तक उन्हें ये नहीं पता कि उनकी बायोलॉजिकल मां कौन हैं और उन्होंने कभी ये जानने की कोशिश भी नहीं की।

**जब पिता ने जुड़वां बहनों से की शादी, बनी अनोखी फैमिली**

श्रुति कृष्णा का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जिसकी कहानी बेहद

अलग है। उनके पिता जीवी कृष्णा थिएटर जगत से जुड़े हुए थे और अपनी थिएटर कंपनी चलाते थे। इसी दौरान उन्होंने थिएटर मंडली की सदस्य जुड़वां बहनों राधा और रुक्मिणी से शादी की थी। इस परिवार में तीन बच्चों का जन्म हुआ- **श्रुति, शरण और ऊषा।**

**बच्चों को नहीं बताया कौन है असली मां?**

परिवार ने शुरूआत से ही एक अनोखा फैसला लिया। बच्चों को कभी ये नहीं बताया जाएगा कि उनकी असली मां कौन है। यही वजह है कि आज तक तीनों भाई-बहनों को ये जानकारी नहीं है कि वह किस मां की संतान हैं। परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे को समान प्रेम और सम्मान देते हैं, जिसने इस रिश्ते को और भी खास बना दिया।

**गिरिजा से बनीं श्रुति, 14 साल की उम्र में रखा था फिल्मों में कदम**

बहुत कम लोग जानते हैं कि श्रुति कृष्णा का असली नाम गिरिजा था। उन्होंने महज 14 साल की उम्र में कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। साल 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'नंबिद्रे नंबि बिट्रे बिडी' में उन्होंने सहायक भूमिका निभाई थी। शुरूआती फिल्मों में उन्हें 'प्रियदर्शिनी' नाम से क्रेडिट दिया गया लेकिन ये नाम उन्हें पसंद नहीं आया।

उसी साल फिल्म 'श्रुति' की शूटिंग के दौरान निर्देशक ने उन्हें सुझाव दिया कि वह फिल्म के नाम को ही अपना स्क्रीन नेम बना लें। इसके बाद गिरिजा हमेशा के लिए श्रुति बन गईं और इसी नाम से दर्शकों के बीच मशहूर हुईं।

कन्नड़, तमिल, तेलुगू और मलयालम सिनेमा तक बनाई पहचान

श्रुति कृष्णा ने अपने अभिनय के दम पर कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई। उनकी पॉपलैरिटी बढ़ने के साथ ही उन्हें तमिल, तेलुगू और मलयालम फिल्मों में भी काम करने का मौका मिला। भावनात्मक किरदारों को जीवंत तरीके से निभाने की उनकी क्षमता ने उन्हें दर्शकों का पसंदीदा बना दिया। फिल्म 'आघाता' के लिए उन्हें कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार में बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान मिला। वहीं तमिल फिल्म 'कल्कि' में शानदार एक्टिंग के लिए तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार से भी नवाजा गया। उनकी दमदार परफॉर्मेंस के कारण कन्नड़ सिनेमा में उन्हें 'ट्रेजेडी क्वीन' के नाम से भी जाना जाता है।

**दो बार बसाया घर लेकिन दोनों रिश्ते नहीं टिक पाए**

प्रोफेशनल लाइफ में सफलता हासिल करने वाली श्रुति कृष्णा को निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखने पड़े। अपने करियर के सुनहरे दौर में उन्होंने निर्देशक एस. महेंद्र से शादी की थी। दोनों की एक बेटी गौरी श्रुति भी है। हालांकि करीब 11 साल साथ रहने के बाद ये रिश्ता टूट गया। पहली शादी खत्म होने के बाद श्रुति ने साल 2013 में पत्रकार और कवि चक्रवर्ती चंद्रचूड़ के साथ दूसरी शादी की थी लेकिन ये रिश्ता भी ज्यादा समय तक नहीं चल पाया और एक साल के अंदर दोनों का तलाक हो गया।

**बच्चों ने भावनात्मक रिश्तों को दिया ज्यादा मायने**

श्रुति कृष्णा और उनके भाई-बहनों से जब कई बार ये सवाल पूछा गया कि आखिर वह अपनी असली मां के बारे में क्यों नहीं जानना चाहते, तो उनका जवाब लोगों का दिल जीत लेता है। एक इंटरव्यू में श्रुति ने कहा था कि अगर वो चाहें तो एक सवाल पूछकर इस रहस्य का जवाब जान सकती हैं लेकिन उनके लिए इसकी कोई अहमियत नहीं है। उनका मानना है कि दोनों महिलाओं ने उन्हें बराबर प्यार दिया है और वह दोनों ही उनकी मां हैं। परिवार में कभी किसी तरह का भेदभाव नहीं हुआ, इसलिए बायोलॉजिकल रिश्तों से ज्यादा भावनात्मक रिश्ते मायने रखते हैं।

**श्रुति ने राजनीति में भी दिखाया दम**

फिल्मों में शानदार करियर के बाद श्रुति कृष्णा ने राजनीति की दुनिया में भी कदम रखा। वह भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी हुई हैं और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं। उन्हें कर्नाटक महिला एवं बाल विकास निगम और कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम जैसे अहम संस्थानों की जिम्मेदारी भी सौंपी गई।

# ड्रमर, टीवी एंकर और फिर पहली महिला प्रधानमंत्री, फिल्मी है कहानी

(जीएनएस)।

भारत और जापान के रिश्ते लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। इसी कड़ी में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा पर भारत पहुंची हैं। नई दिल्ली में उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई, जहां दोनों नेताओं ने रक्षा, नई तकनीक और वैश्विक व्यापार जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए, जो आने वाले समय में दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देंगे। ऐसे में सभी जापानी प्रधानमंत्री साने तकाइची के बारे में जानना चाहते हैं। साथ ही पता करना चाहते हैं कि कभी ड्रम बजाने का शौक रखने वाली साने पीएम के पद तक कैसे पहुंचीं।

रॉक बैंड की ड्रमर से प्रधानमंत्री बनने तक का सफर

साने ताकाइची का जीवन किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने अमेरिका में टीवी एंकर के रूप में काम किया। इतना ही नहीं, उन्हें संगीत का भी शौक था और वे एक हेवी-मेटल रॉक बैंड में ड्रम बजाया करती थीं। बाद में उन्होंने राजनीति में कदम रखा और अपनी मेहनत के दम पर जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का इतिहास रच दिया। ताकाइची का शुरूआती करियर काफी अलग रहा। अमेरिका में रहने के दौरान उन्होंने अमेरिकी सांसद पेट्रीसिया श्रोएडर के साथ काम किया। यहां उन्हें कानून बनाने की प्रक्रिया और राजनीतिक रणनीतियों को करीब से समझने का मौका मिला। इसी दौरान उन्होंने टीवी ब्रॉडकास्टिंग में भी काम किया। इन अनुभवों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय राजनीति और प्रशासन

की बेहतर समझ दी।

साने ताकाइची ने साल 1992 में पहली बार चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी। अगले ही साल यानी 1993 में केवल 32 साल की उम्र में उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीतकर जापान की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में जगह बनाई। यह उनकी राजनीतिक यात्रा का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

साल 1996 में ताकाइची जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) में शामिल हुईं। यहां उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का समर्थन मिला। आबे सरकार में उन्होंने आंतरिक मामलों और संचार मंत्री के रूप में काम किया और अपनी प्रशासनिक क्षमता साबित की। उनकी कार्यशैली की वजह से वे पार्टी के सबसे भरोसेमंद नेताओं में शामिल हो गईं। साल 2022 से 2024 के बीच, प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की सरकार में ताकाइची ने आर्थिक सुरक्षा मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई बड़े फैसले लिए। खास तौर पर संवेदनशील तकनीक और सरकारी गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा के लिए Security Clearance System लागू किया, जिसे रक्षा विशेषज्ञों ने काफी महत्वपूर्ण कदम माना। प्रधानमंत्री बनने का सफर आसान नहीं था। उन्होंने 2021 में पहली बार छऊह अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। फिर 2024 में दोबारा चुनाव लड़ा और पहले चरण में बढ़त हासिल करने के बावजूद अंतिम दौर में शिगेरू इशिबा से मामूली अंतर से हार गईं। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आखिरकार 2025 के आखिर में उन्होंने तीसरी बार चुनाव लड़कर शिंजीरो कोइजुमी को हराया और छऊह की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। इसके बाद छऊह-कोमेतो गठबंधन टूटने पर उन्होंने जापान इनोवेशन पार्टी के साथ नया गठबंधन बनाया और 21 अक्टूबर को जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

# पांच सर्वश्रेष्ठ स्कूलों के प्रंसिपलों को सीएम का सम्मान, किताब-कॉपी पाकर बच्चों के खिले चेहरे

(जीएनएस)।

सहारनपुर , उत्तर प्रदेश के सहारनपुर दौरे पर रहे सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्कूल के बच्चों को अपने हाथों से किताब-कॉपी, बैग, स्टेशनरी किट वितरित किए, जिसको पाकर नौनिहालों के चेहरे खिल उठे. इस दौरान जब मुख्यमंत्री ने बच्चों से पूछा कि स्कूल आओगे, इस पर सभी बच्चों ने मुस्कुराकर स्कूल आने का वादा किया. इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों के नवाचार को भी जाना. सीएम ने मंच से प्रदर्शनी में शामिल बच्चों के आत्मविश्वास की भी सराहना की. साथ ही परिषदीय विद्यालयों की बच्चियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की. सीएम ने प्रदर्शनी स्थल और मंच पर बच्चों से संवाद किया तथा उन्हें चॉकलेट भी दीं.

**भोजन मंत्र के उपरांत बच्चों ने किया भोजन**

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की परियोजना के शुभारंभ के मौके पर मुख्यमंत्री ने बच्चों को अपने हाथ से भोजन परोसा. इसमें प्रदेश सरकार के मंत्रियों व अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सीएम योगी का साथ दिया. साथ ही बच्चों ने भोजन ग्रहण करने से पहले मंत्रपाठ किया. इतना ही नहीं प्रदेश के मुखिया को अपने लिए भोजन परोसते देखकर बच्चे आह्लादित हो उठे.

**सीएम योगी ने नन्हे-मुन्नों से किया परिचय**

इस दौरान सीएम योगी ने क्लासरूम का भी जायजा लिया है. उन्होंने एक-एक कर सभी बच्चों से



नाम पूछा और उनसे बातचीत की. ऐसे में बच्चे भी सीएम को अपने बीच पाकर खुशी से उनसे बातचीत करते रहे. बच्चों ने सीएम के प्रश्नों के बालसुलभ निश्छल उत्तर दिए तो सभी खिलखिला उठे. मुख्यमंत्री ने बच्चों की प्रशंसा कर उनका उत्साह बढ़ाया और उन्हें चॉकलेट भी दीं.

राम मंदिर एसआईटी आज नहीं देगी फाइनल रिपोर्ट? जांच के लिए मिले 15 और दिन! सपा बोली- ये सब बेकार है...

**बच्चों का कराया अन्नप्राशन**

बता दें मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में शामिल नन्हे-मुन्नों का अन्नप्राशन भी कराया. यह आयोजन विपरीत मौसम के कारण क्लास रूम में ही किया गया. सीएम योगी ने बच्चों को चंदन/टीका लगाकर खीर खिलाई और उपहारस्वरूप उन्हें खिलौने भी दिए, और जिन बच्चों का अन्नप्राशन हुआ, वे सीएम की गोद में भी खेले.

मुख्यमंत्री के हाथों 5 बच्चों को मिली कॉपी-किताबें, बैग व स्टेशनरी किट

साक्षी - कक्षा-1, पीएम श्री विद्यालय, बडढ़ा खेड़ा विकास क्षेत्र सरसावा

आरव - कक्षा-1, मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय, सढौली हरिया विकास क्षेत्र रामपुर मनिहारान

लव्यांश - कक्षा-1, उच्च प्राथमिक विद्यालय, इस्माइलपुर विकास क्षेत्र पुंवारका

अस्मिता - कक्षा-1, प्राथमिक विद्यालय, पानसर विकास क्षेत्र मुजफ्फराबाद

रविंद्र - कक्षा-4, पीएम श्री विद्यालय, दलहेडी विकास क्षेत्र नानौता

5 सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का सम्मान

इंदु बेस - इंचार्ज प्रधानाध्यापक - उच्च प्राथमिक विद्यालय, कुतुबपुर लबडोला विकास क्षेत्र नागल

कुलदीप अरोड़ा - प्रधानाध्यापक - प्राथमिक विद्यालय, सरसावा नंबर-1 विकास क्षेत्र सरसावा

अश्वनी कुमार शर्मा - इंचार्ज प्रधानाध्यापक - प्राथमिक विद्यालय, तबर्रकपुर विकास क्षेत्र गंगोह

राज सिंह - इंचार्ज प्रधानाध्यापक - प्राथमिक विद्यालय, घान्ना खंडी विकास क्षेत्र पुंवारका

मोहिनी पाल - इंचार्ज प्रधानाध्यापक - कंपोजिट विद्यालय, खिड़का जुनारदार विकास क्षेत्र मुजफ्फराबाद

# जहां से जारी हुआ ड्राइविंग लाइसेंस, वहीं हो सकेगी बैकलॉग एंट्री

(जीएनएस)।

लखनऊ। दूसरे प्रदेशों से ड्राइविंग लाइसेंसों की बैकलॉग एंट्री का खेल अब खत्म होगा। बैकलॉग एंट्री कर दलाल डीएल में फजीवाड़ा कर रहे थे। इस पर रोक लगाने के लिए परिवहन आयुक्त ने बैकलॉग एंट्री को लेकर बड़ा आदेश दिया है। जिस जिले से वाहन स्वामी का ड्राइविंग लाइसेंस बना है, बैकलॉग सिर्फ वहीं से हो सकेगी।

मसलन लखनऊ के ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ से जारी डीएल की बैकलॉग एंट्री इसी कार्यालय से हो सकेगी, अन्यत्र किसी जिले या प्रदेश से नहीं। दरअसल, बीते अप्रैल में एक लीडिंग प्रिंट मीडिया ने दलालों द्वारा बैकलॉग एंट्री कर डीएल के फजीवाड़े का खुलासा किया था। बस्ती में दलालों ने 4500 फर्जी डीएल बनवाए थे, इस खबर को प्रकाशित कर सिंडिकेट को उजागर किया था। इसमें बस्ती के ड्राइविंग लाइसेंस की बैकलॉग एंट्री अरुणाचल प्रदेश से की जा रही थी। दलालों के इस सिंडिकेट के खुलासे के लिए लगातार कई दिनों तक खबरें प्रकाशित की गईं। इसके बाद परिवहन विभाग ने मामले की गंभीरता को समझा। चूंकि डीएल से जुड़ा कार्य एनआईसी के पोर्टल पर होता है, ऐसे में अधिकारियों से पत्राचार कर बदलाव करने के लिए भी पत्र लिखे गए। इसी क्रम में परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आदेश जारी किया गया है। इसके तहत अब जिस जिले से डीएल बना होगा, सिर्फ वहीं से बैकलॉग एंट्री होगी। जबकि इससे पूर्व दलाल बस्ती, गोरखपुर,



मिजार्पुर, संतकबीरनगर आदि जिलों के डीएल की बैकलॉग एंट्री अरुणाचल प्रदेश से करवा रहे थे। इस सिंडिकेट से सड़क सुरक्षा बढ़ाने को लेकर विभाग की मंशा पर सवाल उठने लगे थे।

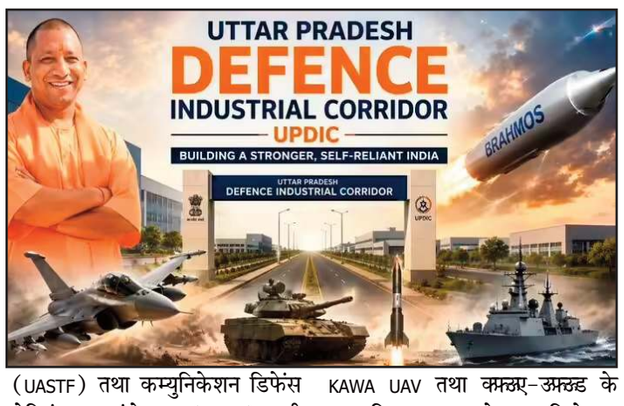

जनवरी, 2013 से पहले मैनुएली लाइसेंस बनते थे। जिनका रिकॉर्ड रजिस्टर में रखा जाता था। इसके बाद स्मार्ट कार्ड बनने शुरू हो गए। रिकॉर्ड कम्प्यूटर में रखा जाने लगा। वर्ष 2013 के बाद लाइसेंसों का रिकॉर्ड ऑनलाइन ही है। उन्हें रजिस्टर में रखने की आवश्यकता खत्म हो गई। लेकिन दलालों ने अफसरों से मिलीभगत कर बैकलॉग एंट्री करवाई और एड्रेस चेंज व रिन्यूवल करवाकर डीएल बनवा दिए। एक लीडिंग प्रिंट मीडिया की ओर से सवाल उठाया गया था कि बैकलॉग फीडिंग की जरूरत क्यों पड़ी। इतना ही नहीं सूत्र बताते हैं कि लर्नर लाइसेंस बनवाए बगैर परमानेंट डीएल बना दिए गए। इतना ही नहीं भारी वाहनों के हेवी लाइसेंस के लिए एक साल पुराना लाइसेंस अनिवार्य है। इस नियम को भी ताक पर रखकर डीएल बनवाए गए। इस सवाल को गंभीरता से लेते हुए नई व्यवस्था की गई है।

**डेटा की सुरक्षा के लिए उठाया कदम**

परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने बताया कि सारथी और वाहन डेटाबेस में बैकलॉग एंट्री को लेकर यह पाया गया कि कुछ राज्यों में बैकलॉग एंट्री अधिक हो रही है। डेटा की प्रामाणिकता व सुरक्षा बनाए रखने के लिए बदलाव किया गया है। इसके तहत सक्षम प्राधिकारी की अनुमति जरूरी होगी। संबंधित राज्य के परिवहन सचिव या परिवहन आयुक्त की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य होगी।

**तय मियाद के बाद नहीं होगी एंट्री**

इतना ही नहीं बैकलॉग एंट्री केवल उसी एआरटीओ कार्यालय से होगी, जहां से लाइसेंस बना है। तय मियाद के बाद एंट्री नहीं होगी। एनआईसी की ओर से सारथी सिस्टम में ऐसी प्रविष्टियों के लिए स्पष्ट व स्थायी बैकलॉग मार्कर प्रदर्शित किया जाएगा, जो पूरा रिकॉर्ड दिखाएगा। इससे ऑडिट में भी आसानी होगी।

**पुराने वाहनों की बैकलॉगिंग करें तत्काल**

पुराने वाहनों के जो रिकॉर्ड राष्ट्रीय रजिस्टर में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें बैकलॉग के माध्यम से तत्काल अपडेट किया जाए। वाहन स्क्रैपिंग के समय पोर्टल पर बैकलॉग एंट्री का प्राविधान है, जिसे वाहन स्वामी या स्क्रैप सेंटर ऑपरेटर की ओर से किया जा सकता है, लेकिन अनुमोदित आरटीओ करेगा।

# चढ़ावे में हेराफेरी : 8 गिरफ्तार आरोपियों के घरों पर बुलडोजर की तैयारी, किसके पास से कितना कैश-सोना बरामद?

(जीएनएस)।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के चढ़ावे में कथित हेराफेरी का मामला अब बड़े विवाद में बदल गया है। 25 जून को दर्ज FIR के बाद रक्ळ ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया। अब खबरें आ रही हैं कि आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी शुरू हो गई है। पुलिस ने राम मंदिर परिसर और योग केंद्र में छापेमारी कर नकद, सोना, चांदी और विदेशी मुद्रा बरामद की।

ट्रस्ट के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। महंत दिनेंद्र दास ने गोपाल राव पर गंभीर आरोप लगाए। वहीं, 500 से ज्यादा वकील सड़क पर उतर आए और चंपत राय, अनिल मिश्रा व गोपाल राव के खिलाफ ऋक्ष्क की मांग कर रहे हैं। आइए विस्तार से जानते हैं कि किस आरोपी के पास से कितनी रकम बरामद हुई?

राम मंदिर में लाखों भक्त चढ़ावा चढ़ाते हैं। इसमें नकद, सोना-चांदी, विदेशी मुद्रा शामिल है। 7 जून को अखिलेश यादव ने हेराफेरी का आरोप लगाया। वढ सरकार की रक्ळ ने 23 जून को रिपोर्ट दी। 25 जून को ऋक्ष्क दर्ज हुई। कौन-कौन 8 गिरफ्तार हुए?

लवकुश मिश्रा के घर सूखे चारे के ढेर में भी तलाशी ली गई। अविनाश शुक्ला 10 साल से एक योग केंद्र में रह रहा था। वहां से भी सामान बरामद हुआ।

अयोध्या विकास प्राधिकरण (ADA) ने आरोपियों के घरों की पहचान कर ली है। जिनका नक्शा पास नहीं है या नियमों का उल्लंघन हुआ है, उन पर बुलडोजर चल सकता है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अवैध निमार्णों पर कार्रवाई की तैयारी है। यह वढ में अवैध निमार्णों के खिलाफ चले अभियान की तर्ज पर होगा।

ट्रस्ट के अंदर घमासानः महंत दिनेंद्र दास का बयान

ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास महाराज ने गोपाल राव पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पूरी गलती गोपाल राव की है। वे राजनीति कर रहे हैं। राम की परंपरा नहीं मानते। गोपाल राव मूल रूप से कर्नाटक के हैं। वे राम मंदिर निर्माण प्रभारी और ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य थे। ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की।

सुरक्षा एजेंसी का बचावः चढ़ावे में हेराफेरी से हमारा लेना-देना नहीं

प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी ने, जिसके कर्मचारियों को राम मंदिर दान मैनेजमेंट से जुड़ी कैश-हैंडलिंग यूनिट में तैनात किया गया था, चढ़ावे में कथित हेराफेरी में किसी भी भूमिका से इनकार किया है। एजेंसी का कहना है कि उसने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) के कहने पर बैंक के लिए कर्मचारियों की भर्ती की थी। यह सफाई अयोध्या में राम मंदिर में दान में कथित हेराफेरी की चल रही जांच के बीच आई है, जिसमें स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) द्वारा गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से




छह इसी एजेंसी के कर्मचारी हैं।

सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज के डायरेक्टर गौरव सिंह ने बताया कि कंपनी ने 22 कर्मचारियों की भर्ती की थी और उन्हें हाउसकीपिंग के काम के लिए रइककी अयोध्या ब्रांच में भेजा था, और उसके बाद उनकी ड्यूटी तय करने में कंपनी की कोई भूमिका नहीं थी। सिंह ने बताया कि राम मंदिर में दान की कथित चोरी से हमारी कंपनी का कोई लेना-देना नहीं है। हमने 22 लोगों की भर्ती की और उन्हें अयोध्या में रइक ब्रांच में हाउसकीपिंग के काम के लिए भेजा। उसके बाद बैंक ने उन्हें क्या काम सौंपा, इसकी हमें जानकारी नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि सभी 22 कर्मचारियों की भर्ती रइक की अयोध्या ब्रांच के चीफ मैनेजर के निदेर्शों पर की गई थी। सिंह ने कहा, रइक की अयोध्या ब्रांच के चीफ मैनेजर ने हमें इन 22 लोगों के नामों और बायोडाटा की लिस्ट भेजी थी। वे सभी पहले किसी दूसरी एजेंसी के साथ काम कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि उनकी कंपनी मंदिरों के लिए कॉन्ट्रैक्ट नहीं लेती है और उसने केवल रइक ब्रांच को मैनपावर उपलब्ध कराया था। उन्होंने कहा, "हमें केवल अयोध्या में रइकब्रांच को हाउसकीपिंग स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए काम पर रखा गया था। इन कर्मचारियों ने आखिरकार क्या काम किया और क्यों किया, यह बैंक को बताना है।

500 वकीलों का प्रदर्शनः चंपत राय-अनिल मिश्रा पर ऋक्ष्क की मांग

2 जुलाई को करीब 11:45 बजे 500 से ज्यादा वकील सड़क पर उतरे। चंपत राय(उँस्रं३ फ्रं), अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर ऋक्ष्क की मांग की। सिविल लाइन चौकी में शिकायत दी गई। वकीलों का कहना है कि मंदिर की पवित्रता प्रभावित हुई है।

# यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोरः लखनऊ बनेगा मिसाइल हब, कानपुर से झांसी तक विकसित होंगे रक्षा क्लस्टर

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (UPDIC) अपनी क्लस्टर आधारित रणनीति के माध्यम से देश के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा विनिर्माण केंद्रों में तेजी से विकसित हो रहा है। प्रत्येक नोड की विशिष्ट औद्योगिक क्षमता का लाभ उठाते हुए कानपुर, लखनऊ, अलीगढ़, झांसी एवं चित्रकूट में यूपीडा द्वारा विशेषीकृत रक्षा औद्योगिक क्लस्टरों का विकास किया जा रहा है। इसके माध्यम से रक्षा डिजाइन, परीक्षण, विनिर्माण, एकीकरण (इंटीग्रेशन) तथा निर्यात तक की सम्पूर्ण वैल्यू चेन विकसित हो रही है। संचालित विनिर्माण इकाइयों, नए औद्योगिक निवेशों तथा अत्याधुनिक परीक्षण अवसंरचना के विकास के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश देश की रक्षा औद्योगिक क्रांति का अग्रणी केंद्र बनकर उभर रहा है।

**लघु शस्त्र, गोला-बारूद एवं रक्षा वस्त्रों का प्रमुख केंद्र**

कानपुर को लघु शस्त्र (स्मॉल आर्म्स), गोला-बारूद, बैलिस्टिक सुरक्षा प्रणालियों तथा रक्षा वस्त्रों के समर्पित केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज ने अपनी एकीकृत गोला-बारूद निर्माण इकाई का संचालन प्रारम्भ कर दिया है। वहीं अधुनिक मैटेरियल एंड साइंसेज तथा ए.आर. पॉलिमर्स ने रक्षा वस्त्र एवं बैलिस्टिक सुरक्षा सामग्री के क्षेत्र में उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त डेल्टा कॉम्बैट सिस्टम्स द्वारा लघु शस्त्र एवं गोला-बारूद निर्माण इकाई स्थापित की जा रही है। ये सभी निवेश मिलकर हथियारों, गोला-बारूद तथा सैनिक सुरक्षा प्रणालियों की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर रहे हैं, जो घरेलू आवश्यकताओं के साथ-साथ निर्यात बाजारों की मांग भी पूरी करेगी।

कानपुर के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को और सुदृढ़ बनाने हेतु आईआईटी कानपुर में रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना (DTIS) के अंतर्गत अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स टेस्टिंग फाउंडेशन




(UASTF) तथा कम्युनिकेशन डिफेंस टेस्टिंग फाउंडेशन (CDTF) की स्थापना प्रस्तावित है। इनके संचालन से मानव रहित विमान (UAV), संचार प्रणालियों तथा अन्य रक्षा प्रौद्योगिकियों के परीक्षण एवं प्रमाणीकरण की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे स्वदेशी रक्षा उत्पादों के विकास एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

**मिसाइल, एयरोस्पेस एवं उन्नत रक्षा प्रणालियों का प्रमुख केंद्र**

लखनऊ रक्षा कॉरिडोर में मिसाइल, एयरोस्पेस एवं एडवांस्ड सिस्टम्स क्लस्टर के रूप में विकसित हो चुका है। यहां ब्रह्मोस एयरोस्पेस की अत्याधुनिक इकाई अगली पीढ़ी की मिसाइल प्रणालियों का निर्माण कर रही है। साथ ही एरोलॉय टेक्नोलॉजीज द्वारा एयरोस्पेस ग्रेड टाइटेनियम कास्टिंग तथा संकल्प सेफ्टी सॉल्यूशंस द्वारा तकनीकी सुरक्षा उत्पादों का उत्पादन प्रारम्भ किया जा चुका है।

उत्तर भारत पहुंचा मॉनसून, दिल्ली-यूपी-बिहार से लेकर पंजाब-हरियाणा तक कैसी होगी बरसात?

इसके अतिरिक्त जयके एंटरप्राइजेज द्वारा मिसाइल लॉन्च ट्यूब, मिसाइल कंटेनर एवं एडवांस्ड कम्पोजिट संरचनाओं के निर्माण की इकाई स्थापित की जा रही है। SIAL Maaufacturers, Capital Airgua Maaufacturer, Taakup Eagiaeers, KAWA UAV तथा क्मळ्ए-उ्रळ्ड के प्रस्तावित इन्फ्रारेड डिटेक्टर टेक्नोलॉजी सेंटर सहित कई महत्वपूर्ण निवेश क्रियान्वयनाधीन हैं। ये सभी परियोजनाएं लखनऊ को मिसाइल प्रणालियों, एयरोस्पेस घटकों, उन्नत सामग्रियों तथा अगली पीढ़ी की रक्षा तकनीकों का प्रमुख केंद्र बना रही हैं।

लखनऊ में प्रस्तावित एडवांस्ड मैटेरियल्स डिफेंस टेस्टिंग फाउंडेशन (AMDTF) रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में प्रयुक्त उन्नत सामग्रियों के यांत्रिक, धातुकर्म एवं नॉन-डिस्ट्रक्टिव परीक्षण जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगा, जिससे रक्षा कॉरिडोर का औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और अधिक मजबूत होगा।

**ड्रोन एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली का उभरता केंद्र**

अलीगढ़ ड्रोन, काउंटर-ड्रोन सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर तकनीकों, सेंसर एवं प्रिसिजन इंजीनियरिंग के प्रमुख क्लस्टर के रूप में विकसित हो रहा है। यहां Werywia Defeace, Nitya Creatioas तथा Shridha Udyog जैसी इकाइयां पहले से संचालित हैं। वहीं Aacor Research Labs, Allea & Alvaa, New Space Research & Techaologies, Amitec Electroaics, Sidak Techaologies तथा Icoas Hiadustaa Aerospace & Defeace Systems जैसी कंपनियां यूएवी, एंटी-ड्रोन तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली तथा हेवी-लिफ्ट ड्रोन प्लेटफॉर्म विकसित कर रही हैं।

प्रिसिजन इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस कम्पोनेंट्स एवं लघु शस्त्र निर्माण से जुड़ी इकाइयों की उपस्थिति अलीगढ़ को भविष्य की रक्षा तकनीकों एवं आधुनिक युद्ध प्रणालियों का महत्वपूर्ण केंद्र बना रही है।

**विस्फोटक, गोला-बारूद एवं भारी रक्षा विनिर्माण का सबसे बड़ा क्लस्टर**

झांसी रक्षा कॉरिडोर के सबसे बड़े विस्फोटक, गोला-बारूद एवं भारी रक्षा विनिर्माण क्लस्टर के रूप में विकसित हो रहा है। यहां *भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL)* की मिसाइल प्रोपल्शन सिस्टम्स निर्माण इकाई स्थापित है तथा कॉरिडोर के सबसे बड़े निवेश भी इसी नोड में प्राप्त हुए हैं।

प्रमुख परियोजनाओं में Goodluck Astra Iadia की विस्फोटक निर्माण एवं आर्टिलरी शेल फिलिंग इकाई, Navbharat Defeace Systems का विस्फोटक परिसर, Microa Iastrumeats की एक्सप्लोसिव फिलिंग एवं एम्युनिशन इंटीग्रेशन इकाई तथा NextStrat TechVisioa की मोर्टार गोला-बारूद निर्माण परियोजना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त WB Electroaics, Loreaco Defeace, Global Techaocrats, Vijayaa Trishul Defeace Solutioas तथा Gurutvaa Systems द्वारा यूएवी, लॉयटरिंग म्यूनिशंस, गोला-बारूद, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हथियार प्रणालियों के क्षेत्र में निवेश किए जा रहे हैं। इन सभी निवेशों से झांसी विस्फोटक, प्रोपेलेंट, गोला-बारूद उत्पादन एवं रक्षा प्रणालियों के एकीकरण का रणनीतिक केंद्र बनता जा रहा है।

# यूपी रेरा का बड़ा फैसला, लखनऊ से नोएडा तक 10 नए प्रोजेक्ट्स मंजूर; 4,500 परिवारों का घर का सपना होगा सच

**यूपी रेरा ने उत्तर प्रदेश के चार जिलों में 10 नई रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें 1,278.48 करोड़ रुपये का निवेश होगा**

(जीएनएस)।

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा ) ने राज्य के चार जिलों की 10 नई रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में कुल अनुमानित निवेश 1,278.48 करोड़ होगा और लगभग 4,498 आवासीय एवं व्यावसायिक इकाइयां विकसित की जाएंगी।

मंजूरी यूपी-रेरा मुख्यालय में हुई प्राधिकरण की 205 वीं बैठक में दी



गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। मंजूर परियोजनाओं में आवासीय, व्यावसायिक और मिश्रित श्रेणी की परियोजनाएं शामिल हैं।

438.29 करोड़ का होगा निवेश

परियोजनाओं की संख्या और इकाइयों के मामले में लखनऊ सबसे आगे रहा। यहां छह परियोजनाओं को मंजूरी मिली, जिनमें 438.29 करोड़ का निवेश होगा और दो हजार 284 इकाइयां बनेंगी।

इनमें पांच आवासीय और एक मिश्रित परियोजना है। निवेश के हिसाब से गौतमबुद्ध नगर पहले स्थान पर रहा। यहां 496.27 करोड़ की दो व्यावसायिक परियोजनाओं को मंजूरी मिली। इनमें दुकानों और स्टूडियो स्पेस समेत 981 व्यावसायिक इकाइयां बनेंगी।

आगरा में 223.04 करोड़ की एक आवासीय परियोजना को हरी झंडी मिली। इसमें 761 आवासीय इकाइयां बनेंगी, गाजियाबाद में 120.88 करोड़ की एक व्यावसायिक परियोजना मंजूर हुई, जिसके तहत 472 व्यावसायिक इकाइयां विकसित की जाएंगी।

# कांग्रेस नेता अरुण यादव के गंभीर आरोप, बोले-अयोध्या से महाकाल मंदिर तक भ्रष्टाचार का खेल जारी

(जीएनएस)।

भोपाल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण यादव ने केंद्र और मध्य प्रदेश की सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मंदिरों, भूमि आवंटन और परीक्षा व्यवस्थाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि हम सबके आराध्य श्रीराम के नाम पर लूट किया जा रहा है और अयोध्या से लेकर उज्जैन के महाकाल क्षेत्र तक भ्रष्टाचार और लूट का सिलसिला जारी है।

अरुण यादव ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया कि अयोध्या में श्रीराम के नाम पर लगभग 200 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय गड़बड़ी हुई है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि महाकाल की नगरी उज्जैन में कीमती सरकारी जमीनें बेहद कम कीमत पर कई लोगों को आवंटित की गई हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उज्जैन में जमीनों की लूट मुख्यमंत्री मोहन यादव के संरक्षण में हो रही है।

इस दौरान अरुण यादव ने युवाओं से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है तथा विभिन्न प्रतियोगी और बोर्ड परीक्षाओं में भी अनियमितताएं सामने आ रही हैं।

# 'अयोध्या में मेरी सेवा पूरी, पर कलंक लेकर नहीं लौटूंगा', राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद पर चंपत राय की पहली प्रतिक्रिया

**श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने कहा कि अयोध्या में उनकी सेवा पूरी हो गई है, लेकिन वह कलंक लेकर वापस नहीं जाएंगे**

(जीएनएस)।

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बुधवार को कहा कि उनकी अयोध्या में सेवा पूरी हो गई है, लेकिन यहां से कलंक लेकर वह वापस नहीं जाएंगे। करीबियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके भरोसे पर विश्वासघात किया गया है। जांच पूरी हो जाने के बाद ही वह इस पर कुछ बोलेंगे।

सात जून को सपा प्रमुख



अखिलेश यादव के चढ़ावा चोरी से जुड़े एक्स पर पोस्ट के बाद चंपतराय ने स्पष्टीकरण जारी कर कहा था कि दान की नकदी का आंतरिक आडिट चल रहा है। अभी तक कोई उल्लेखनीय बात सामने नहीं आई है।

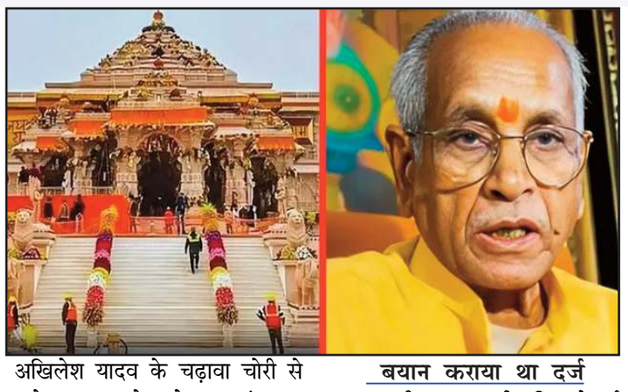

**बयान कराया था दर्ज**

इस बीच एसआइटी गठित हो गई और टीम जांच के लिए अयोध्या पहुंची तो उन्होंने अपना बयान भी दर्ज कराया था, परंतु मीडिया के सामने कुछ कहने से बचते रहे थे। लंबे समय से चुप रहे और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी नहीं दिखे, लेकिन 23 जून को रामजन्मभूमि परिसर में आयोजित शेषावतार मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में साधु-संतों के साथ वह भी कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

अतिथियों को संबोधित किया था। इस दौरान चढ़ावा चोरी प्रकरण पर कुछ नहीं बोला था। इस बीच 25 जून को जब प्राथमिकी दर्ज हुई, तो इस्तीफे का दबाव बढ़ने पर उनकी ओर से त्यागपत्र दे दिए जाने की बात सार्वजनिक हुई, परंतु इसे अभी स्वीकार नहीं किया गया है। वह अभी रामजन्मभूमि परिसर से सटे तीर्थ क्षेत्र भवन के ऊपरी तल पर एकांतवास पर हैं।